चीन सीमा पर नई तैयारी: ITBP को 33 पुलों और ICBR-III की 26 सड़कों की मंजूरी

प्रकाशित: 13 नवंबर 2026 · pcsmantra.com



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

13 नवंबर 2026: वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के हवाले से आई खबरों के अनुसार केंद्र ने चीन से लगती सीमा पर बुनियादी ढाँचे के दो बड़े फैसले किए हैं - इंडो-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) ने अरुणाचल प्रदेश में 33 पुल बनाने की मंजूरी दी है, और कैबिनेट सुरक्षा समिति (CCS) ने इंडिया-चाइना बॉर्डर रोड्स (ICBR) के तीसरे चरण के तहत 26 नई सड़कों को मंजूरी दी है। ये फैसले ऐसे समय में आए हैं जब जुलाई के अंत से अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच आमना-सामने की स्थिति बनी हुई है।

क्या मंजूरी मिली है

रिपोर्टों के अनुसार मंजूरी दो भागों में है -

ITBP के पुल: ITBP ने अरुणाचल प्रदेश में 15 पैदल झूला पुल (suspension bridges) और 18 लॉग ब्रिज बनाने की मंजूरी दी है। झूला पुल केबल पर लटकते हुए पुल होते हैं, जो पहाड़ी नदियों और खाई के ऊपर पैदल आवागमन के लिए बनाए जाते हैं; लॉग ब्रिज लकड़ी-आधारित सरल पुल होते हैं, जो दूरस्थ गश्ती मार्गों पर त्वरित समाधान देते हैं।

ICBR-III की सड़कें: कैबिनेट सुरक्षा समिति (CCS) - प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की सर्वोच्च कैबिनेट समिति - ने ICBR के तीसरे चरण (ICBR-III) के तहत 26 नई सड़कों को मंजूरी दी है।

ध्यान रहे, यह जानकारी अभी वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले की प्रेस रिपोर्टों पर आधारित है; इस विषय पर आधिकारिक सरकारी विज्ञप्ति अभी प्रकाशित नहीं हुई है।

क्या है ICBR कार्यक्रम

परिचय: इंडिया-चाइना बॉर्डर रोड्स (ICBR) भारत सरकार का विशेष कार्यक्रम है, जिसके तहत चीन से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के साथ रणनीतिक सड़कों का निर्माण किया जाता है। LAC भारत और चीन के बीच की वह वास्तविक सीमा-रेखा है जहाँ दोनों देशों की सेनाएँ तैनात रहती हैं; यह औपचारिक अंतर्राष्ट्रीय सीमा नहीं, बल्कि विवादित सीमा क्षेत्र की कार्यात्मक रेखा है।

मुख्य भाग: ये सड़कें मुख्य रूप से सीमा सड़क संगठन (BRO) बनाता है और इनका उद्देश्य है - सेना और अर्धसैनिक बलों की त्वरित आवाजाही, दूरस्थ चौकियों तक रसद पहुँच, और सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थायी उपस्थिति। ICBR-III इस कार्यक्रम का तीसरा चरण है।

ITBP की भूमिका

इंडो-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद गठित अर्धसैनिक बल है, जिसकी प्राथमिक जिम्मेदारी LAC की रक्षा है। यह गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करता है। ITBP की तैनाती पश्चिम से पूर्व तक LAC की पूरी लंबाई में है - लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश। ऊँचाई और कठोर जलवायु के कारण इसके गश्ती दल अक्सर पैदल चलते हैं, इसलिए पैदल पुल जैसे छोटे ढाँचे भी परिचालन क्षमता के लिए महत्वपूर्ण होते हैं।

सीमा पर मौजूदा स्थिति

रिपोर्टों के अनुसार जुलाई 2026 के अंत से अरुणाचल प्रदेश में LAC पर चीनी सेना के साथ आमना-सामने की स्थिति जारी है। अमेरिका की यूएस-चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन (USCC) के एक बुलेटिन में दावा किया गया है कि चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) ने अपने दावा-क्षेत्र के लगभग 4 मील भीतर शिविर स्थापित किए हैं। ITBP प्रमुख ने 22 अक्टूबर 2026 को सीमा पर चीनी गतिविधियों की पुष्टि की थी। इसी पृष्ठभूमि में नई सड़कों और पुलों की मंजूरी को देखा जा रहा है।

परीक्षा दृष्टिकोण: सीमावर्ती इंफ्रास्ट्रक्चर और आंतरिक सुरक्षा

सीमावर्ती बुनियादी ढाँचा केवल विकास का मुद्दा नहीं, आंतरिक सुरक्षा और रणनीतिक संतुलन का हिस्सा है। सड़कें और पुल तीन स्तर पर काम करते हैं - **सैन्य:** सेना की तैनाती और पुनःतैनाती की गति बढ़ती है; **प्रशासनिक:** दूरस्थ क्षेत्रों तक प्रशासन और नागरिक सेवाएँ पहुँचती हैं; **कूटनीतिक:** वास्तविक उपस्थिति सीमा पर भारत की स्थिति मजबूत करती है। चीन ने अपनी ओर सीमावर्ती गाँवों (border villages) और सड़क नेटवर्क का तेजी से विस्तार किया है, जिसके समानांतर में भारत के कदमों को समझना चाहिए।

आगे की राह

देखना होगा कि इन परियोजनाओं की आधिकारिक घोषणा, बजट आवंटन और निष्पादन-समय क्या रहता है। सीमा पर चल रहे आमना-सामने और राजनयिक वार्ताओं की दिशा भी इस ढाँचे के निर्माण की गति को प्रभावित करेगी।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. इंडो-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसका गठन 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद हुआ था।

2. यह भारत-चीन सीमा पर वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) की रक्षा के लिए प्राथमिक रूप से उत्तरदायी अर्धसैनिक बल है।

3. यह रक्षा मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

(a) केवल 1 और 2